L.S.W

(1)

BA (Honours) Paper-I
PART-I

Dr. Pankaj ...
S.M.S.R.K.S. College
Depart. L.S.W

5Q:- Define Productivity of Labour factors influencing productivity measures for increasing labour productivity in the way of promoting productivity movement in India.

अथवा भारत में उत्पादकता में आंदोलन, श्रम की उत्पादकता में वृद्धि एवं उनके घटकों को परिभाषित कीजिए।

Ans:—

Productivity Movement in India (भारत में उत्पादकता आंदोलन):- भारत एक विकासशील देश है जो स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद केवल पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से अपना विकास करने का प्रयत्न कर रहा है। फिर भी हमारी औद्योगिक प्रगति संतोषजनक नहीं है। उद्योगों की उत्पादन क्षमता अत्यंत न्यून है और उत्पादन लागत बहुत अधिक है। इसके लिए मुख्य कारण उत्पादन की अवैज्ञानिक परम्परागत पद्धतियां पुरानी मशीनें एवं यंत्र, अनुपयुक्त मानवीय संबंध निरन्तर प्रबंध प्रणाली तथा विवेकीकरण एवं आधुनिकीकरण जैसी नीतियों को अपनाना है। संक्षेप में, यहां के उद्योगों की उत्पादकता अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक क्षेत्र की तुलना में काफी पिछड़ी हुई है। अतः भारत में उत्पादकता वृद्धि आज समृद्धि का प्रतीक है आज के लिए और भारत के लिए यह जीवन-मरण का प्रश्न है। वस्तुतः आवश्यकता इस बात की है कि उत्पादन की विकसित पद्धतियों, नवीनतम मशीनों एवं उपकरणों, श्रेष्ठ मानवीय संबंधों तथा प्रबंध गतिविधियों द्वारा औद्योगिक उत्पादकता में वृद्धि की जाए। उत्पादकता वृद्धि से ही श्रेष्ठ किस्म वस्तुओं का कम लागत पर उत्पादन करना, बाजारों को व्यापक करना और जन सामान्य का जीवन-स्तर ऊंचा करना संभव हो सकता है।

स्वर्गीय पंडित जवाहर लाल नेहरू ने इस तथ्य का आभास करते हुए एक बार कहा था कि "यद्यपि हमारे देश में प्रचुर मात्रा में सस्ती श्रम शक्ति उपलब्ध है, फिर भी हम अन्य देशों से उत्पादन कला व लागत आदि में प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते हैं। यहां तक कि इस देश के आंतरिक सुरक्षित बाजार में अधिक दिनों तक नहीं टिक पाते। इस वास्तविकता का उत्तर केवल एक ही बात में निहित है कि हम अपने सीमित संसाधनों का सर्वोपयुक्त ढंग से उपयोग करें और उत्पादन की विकसित तकनीक एवं प्रबंध की श्रेष्ठतम प्रणालियों को मान्यता प्रदान करें।" स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री ने भी उत्पादकता के महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा था कि हमें लोगों का जीवन-स्तर उच्चतर करना है। उत्पादकता बढ़ाने से उत्पादन की लागत कम होती है

है कि यद्यपि अन्य विकसित राष्ट्रों की तुलना में हमारे यहाँ मजदूरी का स्तर नीचा है लेकिन जो वस्तुएं हम तैयार करते हैं वे सस्ती नहीं बल्कि अधिक लागत की हैं जिससे उनके बिकने में कठिनाई बनी रहती है। इसका एक ही उत्तर है कि हम अपने जनशक्ति एवं अन्य साधनों का प्रभावशाली ढंग से उपयोग करें ताकि उत्पादकता में वृद्धि हो सके।"

श्री. वी. के. आर. मेनन : "उत्पादकता का आशय किसी कार्य को करने, किसी सेवा को प्रदान करने अथवा किसी वस्तु को निर्माण करने का सर्वश्रेष्ठ, सस्ता, सरल और गतिशील उपयोग है।"

डॉ. बी.बी. लाल : उत्पादकता किसी निश्चित समय तथा दशाओं में नियोग तथा उत्पादन का मापा जाने ...

है।

श्रम सूचक उत्पादकता सूचकांक या निर्देशांक (Labour productivity index number) किसी उद्योग में किसी निश्चित अवधि में श्रम उत्पादकता के माप की प्रतिशत व्यवहार में श्रम उत्पादकता को मालूम करने का उद्देश्य विभिन्न समयों तथा स्थानों पर उत्पादकता के स्तर की तुलना करना होता है। इस दृष्टिकोण से उत्पादकता में परिवर्तन को बताने के लिए सूचकांक (Index number) का प्रयोग किया जाता है। यदि उत्पादन की इकाई के रूप में कार्य घंटे लिए जायें तो किसी चालू वर्ष की तुलना में श्रम उत्पादकता में परिवर्तन की गणना नीचे दिये सूत्र के द्वारा की जा सकती है:

Scanned with CamScanner

मितकारदार (कर) उद्योगिक शोध

उपरोक्त सभी तथ्यों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि भारत में उत्पादकता के इतिहास में प्राचीन समय की ~~सम्बन्ध~~ आवश्यकता रही है चाहे श्रम उत्पादकता के माप का हो या ~~श्रम~~ उत्पादकता के विभिन्न होत ये सभी घटक भारत के श्रम उत्पादकता में वृद्धि लाने की क्रान्ति लायी है।

The End